

17/5/18

पत्रवाली के मा को री से दिनांक 17/5/18। तत्काल  
 अर्थात् उपस्थित। दिनांक सं. 1, 2 को अर्थ में लाया  
 हो चुकी है। वाक्य में लगी उपस्थित नहीं है  
 उनके विरुद्ध एक फर्जीब कार्यालय की जाती  
 है। अर्थात् सं. 7 अर्थात् जो बकाया देखा जाता  
 नहीं। बाले है तभीत वादी ने प्राप्त देखा  
 का अर्थात् सं. 7 सं. 6 को तभी जाने का  
 निवेदन किया न होकर है। तब तक  
 की अर्थात् की। प्राप्त होने किताब जाकर  
 अर्थात् सं. 7 सं. 6 का तब किताब जाता है।  
 क 1854 (2) चुनी गई। पत्रवाली एक इकलौत  
 किताब गण। अर्थात् 1854 का मूल किताब गण।  
 अ. 4 अर्थात् एकीकृत किताब जाता है तथा  
 दिनांक 3-11-16 को जोनी अर्थात् री के मा का  
 को तब किताब देखा अर्थात् (confirmation)  
 किताब जाकर अर्थात् सं. 1, 2, 7 को तब किताब  
 किताब जाकर किताब अर्थात् किताब का किताब  
 736, 738 वाले गण अर्थात् किताब तब किताब  
 के किताब वगैरह की मफासिती अर्थात् 2/17  
 पत्रवाली के मा को री से दिनांक 17/5/18  
 है। अर्थात् अर्थात्  
 SD 18